

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

5-10-2024

संस्कार मिलन की रास करने के लिए कुछ मिटाना पड़ेगा, कुछ समाना पड़ेगा, यह मेरे संस्कार हैं, यह शब्द भी मिट जाये। इतने तक मिटना है जो पुरानी नेचर बदलकर ईश्वरीय नेचर बन जाये। जितना एक दो के समीप आते जा रहे हो उतना एक दो को सम्मान देते चलो। सम्मान देने से संस्कार मिलन सहज हो जायेगा।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

In order to perform the dance of harmonising sanskars you will have to erase something and accommodate something. Even words such as "This is my sanskar" should no longer emerge. You have to erase everything to the extent that the nature of the past is changed and you develop a Godly nature. As you move closer to one another, also continue to give respect to one another. By giving respect, the harmonising of sanskars will become easy.